Nya.Tatyasaheb Athalye Arts, Ved. S.R.Sapre Commerce Vid.Dadasaheb Pitre Science College, Devrukh

(Autonomous College)

Syllabus

And

Pattern of Question Paper

In the

Subject of Hindi

At the

F.Y.B.A Ancillary Examination With effect from – 2019-20

Board of Study –

1) Sou.Snehalata Pujari :- Chairman
(Head of Concerned)

2) Dr.Anilkumar Singh :- Member
(One expert to be nominated by the Vice Chancellor)

3) Dr.Vijaykumar Rode :- Member
(Sbject experts from outside the parent University to be nominated by the coverning concill)

4) Dr.Balwant Jeurkar :- Member
(Sbject experts from outside the parent University to be nominated by the coverning concill)

5) Dr.Rahul Marathe :- Member
(Experts of outside the college whenever special Course)

6) Sou. Dhanshri Lele – Member
(One Reprecsentaive form industry)

7) Shir Balwant Nalawade – Member
(One postgraduate meritorious alumnus to be nominated by the prin

8) Dr.Varsha Phatak :- Member
(Other members of staff of the same faculty)

SEMESTER – I

NAME OF PROGRAM	:-	B.A.
NAME OF THE COURSE	:-	F.Y.B.A Ancillary (ऐच्छिक हिंदी)
COURSE CODE	:-	ASPCUAHIN101
TOTAL LECTURES	:-	60
CREDITS	:-	03

Aims and objectives –

1. प्रथम पाठ्यपुस्तक **'कथा संचयन'** रखने का यह है कि बच्चों को उद्देश्य विविध कथाप्रवाह, तत्कालिन समाजिक, राजनीतिक, साहित्यिक, वातावरण **आदिबातो** का ज्ञान हो जाय। साथहि बच्चे कथा – शिल्प और कथा – रचना प्रक्रिया से अवगत हो।

2.द्वितीय पाठ्यपुस्तक **'गद्य के विविध आयाम'** यह संम्पादकीय गद्य संग्रह रखने का ताप्तर्य है। हिंदी साहित्य की महत्वपूर्ण **गद्यविधाओ** के साथ अन्य गद्य **विधाओसे** भी बच्चे अवगत हो जाय। जिनमे, जीवनी, संस्मरण, रेखाचित्र, रिपोतीज आत्मकथ्य आदि नवीनतम विद्याओं से बच्चे परिचित हो जाते है। इन गद्य विधाओ स्वरूप–तथा तत्वों का अध्ययन भी करे।?

3.माध्यमिक उच्च महाविद्यालय तक बच्चे स्नातक छोटी – छोटी रचनाओं का अध्ययन करते है। उपन्यास जैसी विद्या का अध्ययन नही करते। अतःइसकी रचना प्रकिया की जानकारी बच्चो को हो इस दृष्टिसे इस पाठयकम का महत्वपूर्ण है।

4. व्याकरण तथा लेखन कौशल्य की वृद्धि के लिए **भाषाज्ञान, पत्रलेखन** तथा **अनुवाद** कला के बारे स्नातक परिचित हो यही इस विभाग को रखने का उद्देश्य है।

निर्धारित पाठय् पुस्तके :

1. कथा संचयन :

संपादक : हिंदी अभ्यास मंडल, मुंबई विश्वविद्यालय, मुंबई, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद – 1

अध्ययनार्थ कहानियॉ–

1. उसने कहा था	–	चंद्रधर शर्मा 'गुलेरी'
2. परीक्षा	–	प्रेमचंद
3. दिल्ली में एक मौत	–	कमलेश्वर
4. फैसला	–	भीष्म साहनी
5. बेटी	–	मैत्रेयी पुष्पा
6. परदेशी	–	ममता कालिया
7. आस्था के आयाम	–	मालती जोशी

2. गद्य के विविध आयाम :

संपादक : हिंदी अभ्यास मंडल, मुंबई विश्वविद्यालय, मुंबई, राजकमल प्रकाशन, 1–बी नेताजी सुभाष मार्ग नई दिल्ली 110002

अध्ययनार्थ गद्य –

1. महात्मा गांधी	– मेरा विद्यार्थी काल (आत्मकथा)
2. शांतिप्रिय द्विवेदी	– तू तो मुझसें भी अभागा(रेखा चित्र)
3. हरिशंकर परसाई	– सद्गुरू का कहना है (व्यंग्य)
4. फणीश्वर नाथ रेणु	– यशपाल (संस्मारण)
5. विजय कुमार संदेश	– मेरी अंदमान यात्रा (यात्रावृत्त)
6.मनमोहन मदारिया	– हंसिनी की भविष्य वाणी (लोककथा)
7. रामधारी सिंह दिनकर	– नेता नही नागरिक चाहिए (निबंध)
8. महादेवी वर्मा	– बदलू (संस्मरण)
9. मोहन राकेश	– स्वामी दयानंद (जीवनी)
10. शंकर पुणतांबेकर	– एक मूर्ति को कथा (व्यंग्य)
11. जगदिशचंद्र माथुर	– मकडी का जाला (एकांकी)
12. गुणाकार मुले	– कंम्प्यूटर नई कांति की दस्तक (वैज्ञानिक लेख)

3. जंगल के जुगनू (उपन्यास) – देवेश ठाकुर
वाणी प्रकाशन 21 – II दरियागंज दिल्ली

4. व्याकरण – भाषा ज्ञान, पत्रलेखन, अनुवाद, निबंधलेखन तथा संवादलेखन /अपठित गधांश

प्रथम सत्र यूनिट विभाजन

1) कथा संचयन : संपादक : हिंदी अध्ययन मंडल मुंबई विश्वविद्यालय

यूनिट I (पाठय वाचन, व्याख्या और समीक्षा) – व्याख्यान – 20

❖ अध्यायनार्थ कहानियॉ

1. उसने कहा था – चंद्रधर शर्मा 'गुलेरी'
2. परीक्षा – प्रेमचंद
3. दिल्ली में एक मौत – कमलेश्वर
4. फैसला – भीष्म साहनी
5. बेटी – मैत्रेयी पुष्पा
6. परदेशी – ममता कालिया
7. आस्था के आयाम – मालती जोशी

2) गद्य के विविध आयाम : संपादक : हिंदी अध्ययन मंडळ मुंबई वश्व विद्यालय मुंबई

युनिट 2 (पाठय वाचन, व्याख्या और समीक्षा) व्याख्यान 20

❖ अध्ययनाचे गद्य –

1. महात्मा गांधी – मेरा विद्यार्थी काल (आत्मकथा)
2. शांतिप्रिय द्विवेदी – तू तो मुझसें भी अभागा(रेखाचित्र)
3. हरिशंकर परसाई – सद्गुरू का कहना है (व्यंग्य)
4. फणीश्वर नाय रेणु – यशपाल (संस्मारण)
5. विजय कुमार संदेश – मेरी अंदमान यात्रा (यात्रावृत्त)

6.मनमोहन मदारिया – हंसिनी की भविष्य वाणी (लोककथा)

3) **व्याकरण** – भाषाज्ञान, पत्रलेखन तथा अनुवार

यूनिट 3 – (भाषा – लेखन – समृध्दि) व्याख्यान 20

1. **भाषा ज्ञान** – वर्तनी की शुद्धता, संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, किया शब्दों को वाक्य मे पहचानना.

2. **पत्रलेखन** – **अनौपचारिक** –बधाई, निमंत्रण, क्षमायाचना प्रत्र

औपचारिक – आवेदन, सुझान संपादक के नाम (शिकायति एवं सुझाव)

3. **अनुवाद** – (अंग्रेजी तथा मराठी से हिंदी मे)

सेमिस्टर I के परीक्षा के प्रश्न पत्र का प्रारूप

कुल अंक – 70 समय 2 $\frac{1}{2}$ घंटे

प्रश्न 1. संदर्भ सहित व्याख्या (कहानियॉ तथा गद्य के विविध आयाम दोनों से विकल्प सहित) – 16 अंक

प्रश्न 2. दीर्घोत्तरी प्रश्न (कहानियॉ तथा गद्य के विविध आयाम इन दोनों से विकल्प सहित) 24 अंक

प्रश्न 3. टिप्पानियॉ (कहानियॉ तथा गद्य के विविध आयाम दोनों से विकल्प सहित) – 10 अंक

प्रश्न 4. क) भाषाज्ञान से एक – वाक्य मे उत्तर 7 अंक

ख) पत्र लेखन (दोनो मे से एक) 7 अंक

ग) अनुवाद अंग्रेजीत या मराठी से हिंदी मे 6 अंक

कुल योग 70 अंक

SEMESTER – II

NAME OF PROGRAM	:-	B.A.
NAME OF THE COURSE	:-	F.Y.B.A Ancillary (ऐच्छिक हिंदी)
COURSE CODE	:-	ASPCUAHIN201
TOTAL LECTURES	:-	60
CREDITS	:-	03

Aims and objectives –

1. प्रथम पाठ्यपुस्तक **'कथा संचयन'** रखने का यह है कि बच्चों को उद्देश्य विविध कथाप्रवाह, तत्कालिन समाजिक, राजनीतिक, साहित्यिक, वातावरण **आदिबातो** का ज्ञान हो जाय। साथहि बच्चे कथा – शिल्प और कथा – रचना प्रक्रिया से अवगत हो।

2.द्वितीय पाठ्यपुस्तक **'गद्य के विविध आयाम'** यह संम्पादकीय गद्य संग्रह रखने का ताप्तर्य है। हिंदी साहित्य की महत्वपूर्ण **गद्यविधाओ** के साथ अन्य गद्य **विधाओसे** भी बच्चे अवगत हो जाय। जिनमे, जीवनी, संस्मरण, रेखाचित्र, रिपोतीज आत्मकथ्य आदि नवीनतम विद्याओं से बच्चे परिचित हो जाते है। इन गद्य विधाओ स्वरूप–तथा तत्वों का अध्ययन भी करे।?

3.माध्यमिक उच्च महाविद्यालय तक बच्चे स्नातक छोटी – छोटी रचनाओं का अध्ययन करते है। उपन्यास जैसी विद्या का अध्ययन नही करते। अतःइसकी रचना प्रकिया की जानकारी बच्चो को हो इस दृष्टिसे इस पाठयक्रम का महत्वपूर्ण है।

4. व्याकरण तथा लेखन कौशल्य की वृद्धि के लिए **भाषाज्ञान, पत्रलेखन** तथा **अनुवाद** कला के बारे स्नातक परिचित हो यही इस विभाग को रखने का उद्देश्य है।

5. भाषा ज्ञान मे लिंग, वचन, पर्यायवाची शब्द, मुहावरो का परिचय हो। साहित्य निबंध लेखन और संवाद लेखन के औचित्य में स्नातको को अनेक समसामायिक विषयों का ज्ञान हो।

द्वितीय सत्र यूनिट विभाजन

1) जंगल के जुगनू (उपन्यास) – देवेश ठाकुर

यूनिट 1 पाठ वाचन, व्याख्या और उपन्यास की समीक्षा। व्याख्यान 20

2) गद्य के विविध आयाम – संपादक : हिंदी अध्ययन मंडल मुंबई विश्व विद्यालय

यूनिट (पाठ वाचन, व्याख्या और समीक्षा) व्याख्यान 20

अध्ययनार्थ गद्य –

7. रामधारी सिंह दिनकर	– नेता नही नागरिक चाहिए (निबंध)
8. महादेवी वर्मा	– बदलू (संस्मरण)
9. मोहन राकेश	– स्वामी दयानंद (जीवनी)
10. शंकर पुणतोबेकर	– एक मूर्ति को कथा (व्यंग्य)
11. जगदिशचंद्र मायुर	– मकडी का जाला (एकांकी)
12. गुणाकार मुले	– कंम्प्यूटर नई कांति की दस्तक (वैज्ञानिक लेख)

3) व्याकरण –भाषाज्ञान, निबंध लेखन तथा संवाद/अपढित लेखन व्याख्यान – **यूनिट 3 (भाषा ज्ञान लेखन संमृध्दि) – 20**

क – **भाषा ज्ञान** – लिंग, वचन, पर्यायवाची शब्द विलायार्थी शब्द, मुहावरो का वाक्य मे प्रयोग

ख – **निबंध लेखन** – सामाजिक, समसामयिक, शैक्षणिक, वैचारिक

आत्मकथात्मक निबंध

ग – **संवाद लेखन** । अपठित लेखन।

सेतिस्टर 02 परीक्षा के प्रश्न पत्र का प्रारूप

कुल अंक – 70 **समय 2 $\frac{1}{2}$ घंटे**

प्रश्न 1. संदर्भ सहित व्याख्या (उपन्यास तथा गद्य के विविध आयाम से विकल्प सहित – 16 अंक

प्रश्न 2. दीर्घोत्तरी प्रश्न (उपत्यास तथा गद्य के विविध आयाम से विकल्प सहित) 24 अंक

प्रश्न 3. टिप्पानियॉ(उपन्यास तथा गद्य के विविध आयाम से विकल्प सहित) – 10 अंक

प्रश्न 4. क) भाषाज्ञान से एक – वाक्य मे उत्तर 7 अंक

ख) निबंध लेखन 7 अंक

ग) संवाद तथा अपठित लेखन 6 अंक

कुल योग 70 अंक